कार्यालय : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पौड़ी गढ़वाल (चड़ीगाँव)

E-mail id – dietcharigaon@gmail.com

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण(गढ़वाल मंडल) उच्चतर माध्यमिक स्तर 2025–26 की आख्या

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण(गढ़वाल मंडल) उच्चतर माध्यमिक स्तर 2025–26 दो चरणों में दिनांक 4 फरवरी से 8 फरवरी 2026(प्रथम चरण) ,वं 23 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक (द्वितीय चरण) सम्पन्न हुआ :–

प्रथम चरण मे कुल प्रतिभागियों की संख्या - 19

द्वितीय चरण कुल प्रतिभागियों की संख्या - 9

कुल प्रतिभागियों की संख्या - 28

विषय - गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, वाणिज्य, समाजशास्त्र एवं फाइन आर्ट

समन्वयक – श्रीमती रेनू, प्रवक्ता, डायट पौड़ी।
सहसमन्वयक – श्री जगमोहन सिंह कठैत, प्रवक्ता, डायट पौड़ी।
सन्दर्भदाता – श्रीमती ममता राणा, प्रवक्ता डायट पौड़ी,

1. श्री जगमोहन सिंह कठैत, प्रवक्ता, डायट पौड़ी
2. श्रीमती रेनू, प्रवक्ता, डायट पौड़ी।
3. डॉ० शिव कुमार भारद्वाज , प्रवक्ता, डायट पौड़ी,
4. श्रीमती शालिनी भट्ट, प्रवक्ता, डायट पौड़ी,
5. श्री विमल ममगाईं, प्रवक्ता, डायट पौड़ी,
6. श्री नरेंद्र बिष्ट, प्रवक्ता, डायट पौड़ी,
7. डॉ० हरिशंकर डिमरी, प्रवक्ता, डायट पौड़ी
8. श्रीमती संगीता डोभाल, प्रवक्ता, डायट पौड़ी
9. .डॉ० ए०आर०चंदोला०, असिस्टेंट प्रोफेसर, हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर
10. श्रीमती अनुजा मैठानी, स०अ०, डायट पौड़ी
11. श्री दयाकिशोर बिंजोला, प्रवक्ता, रा० इ० का० सतपुली वि०ख० द्वारीखाल
12. डॉ० सिद्धार्थ लोहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर

प्रथम दिवस – प्रशिक्षण का शुभारम्भ प्राचार्य जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण का संचालन श्रीमती रेनू समन्वयक के द्वारा किया गया। सहसमन्वयक श्री जगमोहन सिंह कठैत द्वारा प्रशिक्षण की रूपरेखा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गयी। सभी प्रतिभागियों को क्यू0 आर0 कोड के माध्यम से व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। इसी क्रम में सभी प्रतिभागियों द्वारा परिचय सत्र में अपना परिचय दिया गया।प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र में श्रीमती ममता राणा द्वारा **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का परिचय'** के अन्तर्गत उसके प्रमुख बिन्दुओं को गतिविधि के माध्यम से विस्तार दिया गया। सभी प्रतिभागियों द्वारा रुचिपूर्वक गतिविधिं में प्रतिभाग किया गया। पी0पी0टी0 के माध्यम से विषय वस्तु के नये शब्दों/तथ्यों पर चर्चा–परिचर्चा की गई।

प्रशिक्षण के तृतीय सत्र में सन्दर्भदाता श्री जगमोहन सिंह कठैत द्वारा **निर्देशन एवं परामर्श (बालसखा)** का प्रस्तुतीकरण प्रभावी ढंग से किया गया। विषय–वस्तु को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। पी0पी0टी0 में दिये गये सभी बिन्दुओं पर सकारात्मक रूप से चर्चा परिचर्चा की गयी।

प्रथम दिवस के अंतिम सत्र मे कार्यक्रम समनवयक श्रीमती रेनू द्वारा **स्वजागरुकता का विकास** विषय पर विभिन्न गतिविधियाँ करायी गयी, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा अपने शरीर का बाहरी आवरण बनाकर उसमें अपने गुणों को प्रदर्शित किया गया। पी0पी0टी0 के माध्यम से स्वजागरुकता का विकास विषय पर विसतृत चर्चा–परिचर्चा की गयी।

इस प्रकार अनुशासित एवं व्यवस्थित ढंग से प्रथम दिवस के प्रशिक्षण सत्र से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया गया।

द्वितीय दिवस – द्वितीय दिवस का प्रारम्भ प्रातः वन्दना के साथ हुआ। तत्पश्चात समूह 1 द्वारा प्रथम दिन की आख्या का वाचन किया गया। प्रथम सत्र का मुख्य बिन्दु "**कार्य स्थल पर आचरण के सिद्धान्त**" विषय पर श्री नरेंद्र बिष्ट द्वारा पी0पी0टी0 के माध्यम से व्याख्यान दिया गया और प्रतिभागियों को समूह में बांट कर चर्चा–परिचर्चा की गयी।

द्वितीय सत्र में डॉ० शिव कुमार भारद्वाज द्वारा **गुणवत्ता शिक्षा हेतु संचालित कार्यक्रमों का परिचर्य** विषय पर व्याख्यान दिया गया। विषय के प्रत्येक बिन्दु पर विस्तृत रूप से चर्चा–परिचर्चा की गयी।

तृतीय सत्र में विषय विशेषज्ञ हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 सिद्धार्थ लोहनी द्वारा **मूल्यांकन एवं प्रश्न पत्र निर्माण** विषय पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा की गई। पी0पी0टी0 के माध्यम से विषय को विस्तार दिया गया। ब्लूप्रिन्ट पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा की गई।

चतुर्थ सत्र में श्री जगमोहन सिंह कठैत द्वारा **जेन्डर संवेदनशीलता** विषय पर एक वीडियो दिखायी गयी। वीडीयो पर विस्तृत रूप से चर्चा–परिचर्चा की गयी तथा प्रतिभागियों से उत्तर लिये गये। उसके पश्चात् दो चार्ट पर महिला और पुरुष के गुण प्रतिभागियों से पूछ कर लिखे गये। समूह बनाकर प्रतिभागियों को अलग अलग प्रश्न दिये गये। तत्पश्चात् प्रस्तुतीकरण करवाया गया और पी0पी0टी0 के माध्यम से विषय को प्रस्तुत किया गया।

तृतीय दिवस – तृतीय दिवस का प्रारम्भ समूह 2 के सदस्यों द्वारा प्रातः वन्दना के साथ हुआ। तत्पश्चात समूह 2 के सदस्य द्वारा गत दिवस की आख्या को प्रस्तुत किया गया। प्रथम सत्र मे श्रीमती शालिनी भट्ट द्वारा **कक्षा**

शिक्षण में आई० सी० टी० का प्रयोग एवं साइबर सिक्यूरिटी विषय पर पी०पी०टी० के माध्यम से विषय को विस्तार दिया गया। स्मार्ट फोन के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को इन्टरनेट सेफ्टी और सिक्यूरिटी के विषय में हैन्ड्स ऑन करवाया गया।

द्वितीय सत्र में श्री विमल ममगाईं द्वारा **विद्यालयी विकास मे जनसम्पर्क प्रबंधन की भूमिका** विषय पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा की गई। पी०पी०टी० के माध्यम से विषय को विस्तार दिया गया।

तृतीय सत्र मे श्रीमती अनुजा मैठानी द्वारा सत्र का मुख्य बिन्दु **विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का तनाव प्रबन्धन** विषय पर ''तनाव क्या है? तनाव के क्या कारण है? तनाव हमारे शरीर को किस प्रकार प्रभावित करता है? तनाव प्रबन्धन क्या है? तनाव प्रबन्धन का महत्व, तनाव प्रबन्धन के लाभ, तनाव प्रबन्धन के उपयोग, तनाव प्रबन्धन के चरण'' आदि बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा की गयी।

चतुर्थ सत्र में सन्दर्भदाता श्री दयाकिशोर बिनजोला द्वारा **'विद्यालयी शिक्षा विभाग के अन्तर्गत विभिन्न छात्रवृत्ति परीक्षाएँ'** का प्रस्तुतीकरण प्रभावी ढंग से किया गया। अधिकांश अध्यापक विद्यालयों में छात्रों से आवेदन करवाते रहें हैं, इस कारण पी०पी०टी० में दर्शायी सभी छात्रवृत्तियों से परिचत थे। सन्दर्भदाता द्वारा इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षक इस बात का भी ध्यान रखें कि छात्र को छात्रवृत्ति का दोहरा लाभ न मिले।

चतुर्थ दिवस – प्रथम सत्र विषय विशेषज्ञ हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ० ए०आर०चंदोला० द्वारा **प्रोजेक्ट पद्धति** विषय पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा की गई। पी०पी०टी० के माध्यम से विषय को विस्तार दिया गया।

द्वितीय सत्र में सन्दर्भदाता श्रीमती संगीता डोभाल प्रवक्ता गृह विज्ञान द्वारा गृह विज्ञान विषय मे प्रोजेक्ट कार्य के उदाहरण पी पी टी के माध्यम से साझा किए गए तत्पश्चात प्रतिभागियों को समूह मे बांटकर प्रोजेक्ट बनवाए गए एवं उनका प्रस्तुतीकरण किया गया । सन्दर्भदाता डॉ० अरविन्द द्वारा समाज सासत्र विषय मे प्रोजेक्ट कार्य पर चर्चा परिचर्चा की गई। समूहवार प्रस्तुतिकरण कराया गया। तत्पश्चात् सन्दर्भदाता द्वारा समेकन किया गया। सन्दर्भदाता डॉ० हरिशंकर डिमरी द्वारा मूल्यांकन एवं प्रश्न पत्र पर चर्चा परिचर्चा की गई। तत्पश्चात ब्लूप्रिन्ट तैयार कराया गया ब्लूप्रिन्ट के आधार पर प्रतिभागियों द्वारा प्रश्न पत्र निर्माण किया गया इस प्रकार प्रथम चरण का चतुर्थ दिवस का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

पंचम दिवस – प्रशिक्षण का पंचम एवं अंतिम दिवस का शुभारम्भ प्रातःकालीन वन्दना से हुआ। गत दिवस की आख्या के वाचन होने के पश्चात् सन्दर्भदाता श्रीमती रेनू द्वारा **शेयरिंग ऑफ बेस्ट प्रक्टिसेस** विषय पर प्रतिभागियों से चर्चा परिचर्चा की गई। **प्रतिभागियों द्वारा अपनी सर्वश्रेष्ठ गतिविधि को साझा किया गया जिससे सभी प्रतिभागियों को कुछ नया सीखने का अवसर मिला।** अगले सत्र में सन्दर्भदाता श्रीमती रेनू द्वारा विषय **कहानी के माध्यम से शिक्षण** पर चर्चा–परिचर्चा की गई। तत्पश्चात प्रतिभागियों द्वारा अपने विषय के एक संबोध को लेकर कहानी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया प्रतिभागियों द्वारा गतिविधि में रुचिपूर्वक प्रतिभाग किया गया।

समापन के अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती रेनू द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में की गई गतिविधियों को कक्षा–कक्ष शिक्षण में उपयोग करने हेतु कहा गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों की सक्रिय प्रतिभागिता हेतु धन्यवाद

दिया गया। अंत में प्राचार्य द्वारा प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण की विधिवत समाप्ति की घोषणा की गयी।

सहसमन्वयक
श्री जगमोहन कठैत
प्रवक्ता, डायट, पौड़ी

समन्वयक
श्रीमती रेनू
प्रवक्ता, डायट, पौड़ी

प्राचार्य
श्री स्वराज सिंह तोमर
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
चड़ीगाँव, पौड़ी गढ़वाल।